Assignment for TEE June 2024 and TEE December 2024
(Tutor marked assignment)
BAG Philosophy Second Semester

Course code: BPYC-132 (बीपीवाईसी-132) Course: **Ethics (**नीतिशास्त्र)
Marks: 100

टिप्पणी:
1. सभी पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
2. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।
3. प्रश्न संख्या 1 और 2 का उत्तर लगभग **400-400** शब्दों में होना चाहिए।
4. कुछ प्रश्नों में एक से अधिक अनुभाग हैं, कृपया ऐसे प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़ें और सभी अनुभागों का उत्तर देने का प्रयास करें।

1. इमानुएल कांट के अनुसार, नैतिक कृत्य क्या है? नैतिक कृत्य संबंधी दार्शनिक माता कौन से हैं? 20

अथवा

अ) उपयोगितावाद क्या है? जे एस मिल के उपयोगितावाद की व्याख्या कीजिए। 10
आ) उपयोगितावाद का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए। 10

2. चर्चा कीजिए, 10+10= 20
अ) सद्गुण नीतिशास्त्र का आलोचनात्मक परीक्षण
आ) नीतिशास्त्रीय गैर संज्ञानवाद

अथवा

टिप्पणी लिखिए, 10+10= 20
अ) प्राकृतिक नैतिक नियम और मानव गरिमा
आ) अरस्तू और सद्गुण नीतिशास्त्र

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो प्रश्नों** के उत्तर लगभग **200-200** शब्दों में दीजिए। 2*10= 20

क) इमानुएल कांट के निरूपाधिक (निरपेक्ष) और सोपाधिक (सापेक्ष) आदेश के मध्य अंतर कीजिए। इनमें से प्रत्येक का उदाहरण दीजिए। 10
ख) "आत्महत्या नैतिक रूप से गलत है" इस सिद्धांत को सिद्ध करने के लिए विभिन्न प्रकार की युक्तियां प्रस्तुत कीजिए। 10
ग) नीतिशास्त्रीय प्रकृतिवाद और नीतिशास्त्रीय निर्प्रकृतिवाद के मध्य अंतर कीजिए। 10
घ) नैतिक दर्शन में आर एम हेयर के परामर्शवाद के महत्व को बताइए। 10

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार प्रश्नों** के उत्तर लगभग **150-150** शब्दों में दीजिए। 4*5= 20
क) प्लेटो के चार मुख्य सद्गुण क्या हैं) संक्षिप्त व्याख्या कीजिए। 5
ख) इमानुएल कांट के निरूपाधिक (निरपेक्ष) आदेश सिद्धांत पर टिप्पणी लिखिए। 5
ग) मानकीय सापेक्षवाद और वर्णनात्मक सापेक्षवाद के मध्य अंतर कीजिए। 5
घ) "सद्गुण ज्ञान है।" सुकरात के इस कथन पर टिप्पणी लिखिए। 5
च) बौद्ध मत के नैतिक सिद्धांतों की व्याख्या कीजिए। 5

छ) हमें नैतिक क्यों होना चाहिए? चर्चा कीजिए। 5

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर लगभग **100-100** शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। 5*4= 20

क) परिणामवाद 4
ख) स्वैच्छिक कृत्य 4
ग) नैतिक वस्तुवाद 4
घ) निष्काम कर्म 4
च) नैतिक प्रकृतिवाद 4
छ) सुखवाद 4
ज) प्राकृतिक दोष 4
झ) संवेगवाद 4